जियो के तीन ग्रोथ इंजन

10 करोड़ घरों तक पहुंचेगा ब्रॉडबैंड

संभावित आईपीओ से पहले आकाश अंबानी ने खोला रोडमैप

- 53.3 करोड़ कनेक्टिविटी ग्राहक
- देश के 60% से ज्यादा डेटा ट्रैफिक का संचालन

नवभारत कनेक्ट
मुंबई, 15 अक्टूबर। देश के सबसे बड़े संभावित आईपीओ से पहले जियो प्लेटफॉर्म्स ने अपने अगले चरण की विकास योजना सामने रखी है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने मोबिलिटी, होम ब्रॉडबैंड और एंटरप्राइज-इंटरनेशनल कारोबार को जियो के तीन प्रमुख ग्रोथ इंजन बताया। कंपनी की योजना मोबाइल सेवाओं के विस्तार के साथ घरों तक ब्रॉडबैंड पहुंच बढ़ाने और अपनी तकनीक को विदेशी बाजारों में बेचने की है।

मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान आकाश अंबानी ने कहा कि जियो की कारोबारी रणनीति के केंद्र में ग्राहक है। कंपनी किफायती और बेहतर डिजिटल सेवाओं के जरिए भारत की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना चाहती है। जियो के पास फिलहाल करीब 53.3 करोड़ कनेक्टिविटी ग्राहक हैं और कंपनी देश के 60 फीसदी से अधिक डेटा ट्रैफिक को संभालती है।

> मोबाइल कारोबार में जियो अगले पांच वर्षों के दौरान करीब 34 करोड़ नए 4जी और 5जी ग्राहकों की संभावनाएं देख रहा है। इनमें लगभग 10 करोड़ पहली बार मोबाइल कनेक्शन लेने वाले ग्राहक होंगे, जबकि करीब 24 करोड़ उपभोक्ताओं के 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर आने की संभावना है। कंपनी का दूसरा बड़ा लक्ष्य घरेलू ब्रॉडबैंड बाजार में विस्तार करना है। जियो के मौजूदा फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक करीब 2.86 करोड़ हैं। कंपनी इस संख्या को बढ़ाकर 10 करोड़ घरों तक पहुंचना चाहती है। इसके लिए फाइबर नेटवर्क के साथ वायरलेस तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, उसकी सेवाओं की पहुंच देश के करीब 19 हजार पिन कोड तक है। जियो का तीसरा ग्रोथ इंजन एंटरप्राइज और अंतरराष्ट्रीय कारोबार होगा। कंपनी भारतीय उद्यमों को डिजिटल सेवाएं देने के साथ अपनी तकनीकी प्रणाली को चुनिंदा विदेशी बाजारों में भी पहुंचाना चाहती है। इसके तहत वैश्विक दूरसंचार कंपनियों के साथ केवल सॉफ्टवेयर विक्रेता के रूप में नहीं, बल्कि प्रबंधित सेवाएं देने वाले साझेदार के रूप में काम करने की योजना है।

कंपनी लिस्ट कराने के लिए भारत सबसे आसान बाजारों में

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. दुनिया की सबसे बड़ी वैकल्पिक निवेश प्रबंधन कंपनियों में शामिल ब्लैकस्टोन ने भारतीय अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजार की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए अगले पांच वर्षों में देश में अपना निवेश दोगुना कर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है. कंपनी के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) जॉन ग्रे के मुताबिक, अमेरिका के बाद भारत उन देशों में शामिल है, जहां किसी कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराना अपेक्षाकृत आसान है. मजबूत पूंजी बाजार विदेशी निवेशकों को निवेश से बाहर निकलने और अपनी पूंजी वापस पाने का रास्ता देते हैं.

धनतेरस पर बर्तन खरीदने से पहले देखें बीआईएस

- केंद्र सरकार ने जारी किया गुणवत्ता नियंत्रण आदेश-2026
- घरेलू बाजार के उत्पादों पर लागू होंगे मानक, निर्यात को छूट

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. धनतेरस और दिवाली पर बर्तनों की खरीदारी करने वालों के लिए गुणवत्ता मानकों से जुड़ा अहम बदलाव किया गया है. केंद्र सरकार ने खाना बनाने के बर्तनों, एल्युमिनियम के बर्तनों और पेय पदार्थों के कैन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य किया है.

इसके लिए खाना पकाने के बर्तन और टिफिन गुणवत्ता नियंत्रण आदेश-2026 जारी किया गया है. निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के तहत कार्रवाई हो सकती है.

धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है. इस अवसर पर बाजारों में स्टील, एल्युमिनियम और दूसरी धातुओं से बने बर्तनों की मांग बढ़ जाती है. ऐसे में गुणवत्ता मानकों को अनिवार्य बनाने का उद्देश्य घरेलू बाजार में निर्धारित मानकों के अनुरूप उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करना है. इससे ग्राहकों को बर्तन खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और प्रमाणन की जानकारी मिलने में मदद मिलेगी.

बीआईएस प्रमाणन के लिए लाइसेंस, कारखाने का निरीक्षण और उत्पादों की प्रयोगशाला में जांच जैसी प्रक्रियाएं पूरी करनी पड़ सकती हैं.

> **निर्माताओं को करना होगा मानकों का पालन**
> गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत संबंधित उत्पादों को निर्धारित भारतीय मानकों के अनुरूप बनाना होगा. इसके लिए निर्माताओं को लागू नियमों के अनुसार लाइसेंस और प्रमाणन संबंधी प्रक्रिया पूरी करनी होगी. बड़े उद्योगों के लिए नियम एक अप्रैल से और लघु उद्योगों के लिए एक अक्टूबर से लागू होने का उल्लेख किया गया है. नियमों का पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है.

प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.89% बढ़कर 16.03 लाख करोड़ के पार

- कॉरपोरेट कर संग्रह में 16.97% की वृद्धि
- गैर-कॉरपोरेट कर से मिले 8.03 लाख करोड़ रुपये

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर.चालू वित्त वर्ष 2026-27 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है. आयकर विभाग के 15 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 14 अक्टूबर तक केंद्र सरकार का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 14.89 प्रतिशत बढ़कर 16,03,066 करोड़ रुपये पहुंच गया. पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह इससे कम था.

इस दौरान सरकार ने करदाताओं को 2,65,199 करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया. रिफंड घटाने के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 13,37,867 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 13.21 प्रतिशत अधिक है.

कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट कर में वृद्धि- आंकड़ों के अनुसार, कॉरपोरेट कर संग्रह 16.97 प्रतिशत बढ़कर 7,52,962 करोड़ रुपये हो गया. वहीं, गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 11.45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8,03,245 करोड़ रुपये दर्ज किया गया. गैर-कॉरपोरेट कर में व्यक्तियों और अन्य गैर-कॉरपोरेट करदाताओं से प्राप्त कर शामिल होता है.

आईडीबीआई बैंक का शेयर 7% टूटा

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के सरकार के फैसले के बाद गुरुवार को बैंक के शेयर में 7 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. सरकार ने कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक की 60.7 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया है. यह सौदा 529 अरब रुपए का है. अंतिम मंजूरियां मिलने के बाद यह भारत के वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बन सकता है. सरकार की ओर से जानकारी के मुताबिक, हिस्सेदारी बिक्री की प्रक्रिया के दौरान आईडीबीआई बैंक के शेयर का औसत उचित मूल्य 75.99 रुपए प्रति शेयर आंका गया था.

ट्रेडमार्क विवाद में 1125 किलो पेंट सामग्री जब्त

- नेक्स-जन पेंट्स की इकाई से 45 बैग सामग्री जब्त
- आंध्र पुलिस की मौजूदगी में सील की गई सामग्री

नवभारत कनेक्ट
विजयवाड़ा, 15 अक्टूबर . दिल्ली हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर विजयवाड़ा के जक्कमपुड़ी स्थित नेक्स-जन पेंट्स की इकाई से 1125 किलो पेंट टेक्सचर सामग्री जब्त की गई है. अदालत द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर की निगरानी में 10 अक्टूबर को हुई कार्रवाई के दौरान 'स्क्रैच प्लास्टर एक्रिलिक टेक्सचर' के 25-25 किलो के 45 बैग सील किए गए.

मौके से एक खाली बैग भी जब्त किया गया. सामग्री 'सैंटेक्स' लेबल और 'नेक्सजन पेंट्स' ब्रांडिंग के तहत रखी गई थी. यह कार्रवाई दिल्ली हाईकोर्ट के 22 सितंबर 2026 के अंतरिम आदेश के तहत की गई. मामला हैदराबाद स्थित नेक्सॉन पेंट्स की ओर से दायर ट्रेडमार्क विवाद से जुड़ा है. कंपनी ने आरोप लगाया है कि 'नेक्स-जन' नाम और उससे जुड़ी पैकेजिंग उसके ब्रांड से भ्रामक समानता रखते हैं. इससे डीलरों, पेंटरों, ठेकेदारों और ग्राहकों के बीच भ्रम की स्थिति बन सकती है.

कार्रवाई में आंध्र प्रदेश पुलिस के विजयवाड़ा स्थित द्वुद्ध टाउन (कोठापेटा) थाने की सहायता ली गई. नेक्सॉन पेंट्स के वकील भी मौके पर मौजूद थे. जब्त सामग्री को मौके पर सील कर दिया गया.

नेक्सॉन पेंट्स सजावटी पेंट, प्राइमर, पुट्टी, टेक्सचर और अन्य पेंट उत्पाद बनाती है. कंपनी का दावा है कि देशभर में उसके 3,000 से अधिक डीलर हैं. ट्रेडमार्क विवाद में लगाए गए आरोपों पर अंतिम न्यायिक निर्णय होना बाकी है.

चीन में अकेलेपन का कारोबार 7.4 अरब डॉलर के पार

- साथ खाना खाने से अस्पताल जाने तक के लिए मिल रहे साथी
- अकेलेपन से राहत का बाजार, रिश्तों की जगह लेना मुश्किल

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. डिजिटल दुनिया में जब किसी से जुड़ना महज एक क्लिक की दूरी पर है, तब वास्तविक जीवन में अकेलापन तेजी से उभरती सामाजिक चुनौती बन रहा है. चीन में यह समस्या अब बड़े कारोबारी अवसर का रूप ले चुकी है.

यहां लोगों को बातचीत करने, साथ खाना खाने, अस्पताल ले जाने, घरेलू कामों में मदद करने और घूमने जाने के लिए भी पैसे देकर साथी मिल रहे हैं. इस कारोबार को 'अकेलेपन की अर्थव्यवस्था' कहा जा रहा है. चीनी वित्तीय कंपनी सिनोलिंक के अनुमानों के मुताबिक, वर्ष 2025 तक इस उद्योग का आकार 7.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया था. बदलती जीवनशैली और सामाजिक रिश्तों में आ रहे बदलावों के बीच इस बाजार के आगे भी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. चीन के बड़े शहरों में रोजगार के लिए घर से दूर रहने वाले युवा, लंबे कामकाजी घंटे और सीमित सामाजिक मेलजोल के कारण अकेलेपन का सामना कर रहे हैं. वहीं, बुजुर्गों के लिए परिवार के सदस्यों से दूर रहना और रोजमर्रा के काम करना चुनौती बनता जा रहा है.

कनाडाई कंपनियों के लिए भारत में निवेश के अवसर

- विनिर्माण क्षेत्र में साझेदारी पर जोर
- नवाचार और कारोबार के नए अवसर

नवभारत न्यूज नेटवर्क
मुंबई, 15 अक्टूबर. दुनिया के प्रमुख बाजारों में शराब की मांग में कमजोरी के बीच फ्रांस की शराब निर्माता कंपनी पर्नो रिकार्ड के लिए भारतीय बाजार उम्मीद की किरण बनकर उभरा है.

अमेरिका और चीन में बिक्री घटने के बावजूद भारत में मजबूत मांग ने कंपनी के वैश्विक कारोबार में गिरावट को सीमित करने में मदद की है. कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 2.23 अरब यूरो की शुद्ध बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले जैविक आधार पर 0.9 प्रतिशत कम है. हालांकि, यह गिरावट बाजार विश्लेषकों के अनुमान से कम रही. कंपनी की बिक्री में भारत का प्रदर्शन खास रहा. जुलाई से सितंबर 2026 के दौरान भारतीय बाजार में बिक्री पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत बढ़ी.

> **भारतीय बाजार की मजबूती महत्वपूर्ण**
> इस तरह भारत की वृद्धि ने इन दोनों प्रमुख बाजारों में आई कमजोरी की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाई. शराब उद्योग के सामने इस समय उपभोक्ताओं के खर्च में सावधानी, महंगाई और बदलती खपत जैसी चुनौतियां हैं. अमेरिका में खुदरा विक्रेताओं और वितरकों की ओर से पुराने स्टॉक को कम करने की प्रक्रिया ने भी बिक्री को प्रभावित किया है. वहीं, चीन में कमजोर उपभोक्ता मांग और नियामकीय सख्ती का असर प्रीमियम शराब की बिक्री पर पड़ा है. ऐसे माहौल में भारतीय बाजार की मजबूती कंपनी के लिए महत्वपूर्ण हो गई है.

खाद्य सुरक्षा के शिकंजे में कंपनियां, बढ़ेगा खर्च

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 15 अक्टूबर. खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की निगरानी बढ़ने से खाद्य कंपनियों, रेस्टोरेंट और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म की लागत बढ़ने की आशंका है. ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की , नियामकीय निगरानी का दायरा अब उत्पादों की गुणवत्ता के साथ विज्ञापन में किए जाने वाले दावों, पैकेजिंग पर दी गई जानकारी, ऑनलाइन बिक्री, खाद्य पदार्थों के भंडारण तक फैल रहा है.

वीआईटी एलुमनी एसोसिएशन के इंदौर चैप्टर का शुभारंभ

नवभारत कनेक्ट
इंदौर, 15 अक्टूबर. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) एलुमनी एसोसिएशन (वीआईटीएए) के इंदौर चैप्टर का हाल ही में शुभारंभ किया गया. आईआईटी इंदौर के रजिस्ट्रार सिबा प्रसाद होता ने इसका उद्घाटन किया.

यह वीआईटी एलुमनी एसोसिएशन का 65वां चैप्टर है. वीआईटी के संस्थापक और चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने इंदौर चैप्टर की शुरुआत को संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक बताया.

कार्यक्रम में सीबीआई के पूर्व निदेशक और वर्तमान में वीआईटी भोपाल के सलाहकार ऋषि शुक्ला, वीआईटी के उपाध्यक्ष डॉ. शंकर विश्वनाथन, रमणी बालासुंदरम, वीआईटी भोपाल के कुलगुरु प्रो. सतीश कुमार मोदी, प्रो-कुलगुरु डॉ. टी.बी. श्रीधरन, वीआईटीएए के निदेशक डॉ. कार्तिकेयन शिवशण्मुगम और सहायक निदेशक डॉ. बाग्यवीरेश्वरन मौजूद रहे. समारोह में 100 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने अपने परिवारों के साथ हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने संस्थान में बिताए दिनों और यादगार पलों को साझा किया. इंदौर चैप्टर के गठन से शहर और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले वीआईटी के पूर्व विद्यार्थियों को आपस में जुड़ने, अनुभव साझा करने और संस्थान के साथ अपने संबंध मजबूत करने का मंच मिलेगा.

समाचार विशेष

एमएलसी चुनाव : तमाम पार्टियों ने ताकत झोंकी

एनडीए की एकजुटता, राजद-कांग्रेस के रिश्ते और पीके की पकड़ की परीक्षा

पटना, 15 अक्टूबर. बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाला चुनाव इस बार सामान्य चुनावी मुकाबले से कहीं आगे निकल गया है. चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले चुनाव के लिए एनडीए से लेकर राजद, कांग्रेस, वाम दल और जन सुराज तक पूरी ताकत लगा रहे हैं. इसका कारण केवल विधान परिषद में सीटें जीतना नहीं, बल्कि बांकीपुर उपचुनाव के बाद बदले राजनीतिक माहौल में अपनी ताकत साबित करना भी है.

राजनीति के जानकार कहते हैं कि ऐसा इसलिए भी है क्योंकि इस चुनाव में एनडीए की एकजुटता, राजद-कांग्रेस के रिश्ते और प्रशांत किशोर की राजनीतिक पकड़ की परीक्षा होने वाली है. दरअसल, कुछ दिन पहले ही बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव हुआ था, जिसके परिणाम के बाद बिहार की सियासत में काफी हलचल मच दी थी. इस परिणाम के बाद एनडीए की कमजोरी और लोकप्रियता में कमी की चर्चा तेज हुई, जिससे एनडीए की परेशानी बढ़ी. वहीं, विरोधी दलों पर भी बड़ा असर पड़ा और प्रशांत किशोर एक खिलाड़ी की तरह उभर कर आए हैं और बदलाव की बात कह इस बार भी एमएलसी चुनाव के मैदान में उतरे हैं. ऐसे में इस चुनाव के परिणाम से आने वाले समय की राजनीति के प्रभावित होने की पूरी संभावना बताई जा रही है, जिसकी आहट सियासी दलों को सुनाई पड़ रही है.

> **नतीजों से आगे बिहार की राजनीति के संकेत**
> बहरहाल, आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान और 27 अक्टूबर को आने वाले नतीजों से यह पता चलेगा कि शिक्षक और स्नातक मतदाताओं के बीच किस दल की पकड़ मजबूत है. यह चुनाव अपने आप में विधानसभा चुनाव का विकल्प नहीं है, लेकिन इसके नतीजे राजनीतिक दलों के मनोबल, संगठन और आपसी संबंधों पर असर डाल सकते हैं. यही कारण है कि आठ सीटों का यह मुकाबला बिहार की राजनीति में खास महत्व रखता है.

इंदौर मॉल में सजा महिलाओं का सुकून कोना

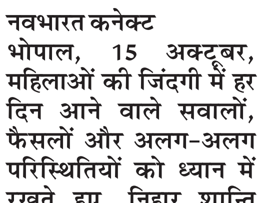

नवभारत कनेक्ट
भोपाल, 15 अक्टूबर, महिलाओं की जिंदगी में हर दिन आने वाले सवालों, फैसलों और अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, निहार शान्ति आंवला ने 'शान्ति से पूछो' पहल शुरू की है।

यह पहली तरह की एआई आधारित ब्रांड पहल है, जिसमें तकनीक और इंसानी समझ को साथ लाकर महिलाओं को अपने 'मजबूत फैसले' आसानी से लेने में मदद की जा रही है। इस पहल के जरिए ब्रांड ने 'शान्ति' नाम का एक डिजिटल साथी पेश किया है, जो महिलाओं को सलाह, भरोसा और एक अलग नजरिया देने में मदद करता है। इस तरह निहार शान्ति आंवला उन शुरुआती ब्रांडों में शामिल हो गया है, जो एआई का इस्तेमाल महिलाओं के लिए एक भरोसा देने वाला साथी तैयार करने में कर रहे हैं, ताकि वे रोजमर्रा की जिंदगी में बेझिझक अपनी बात कह सकें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। यह पहल इस समझ पर आधारित है कि महिलाएँ अक्सर ऐसे व्यक्ति से सलाह लेना चाहती हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो और जिससे वे खुद को जोड़ सकें।

मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन
M.P.W.L.C.
प्रधान कार्यालय - ऑफिस कॉम्प्लेक्स, ब्लॉक ''ए'' गौतम नगर, भोपाल
E-mail : technicalmpwlc@gmail.com
क्रमांक/मप्रवेलॉका/गु.नि./05(निविदा)/2026-27/4062 **भोपाल, दिनांक: 15.10.2026**

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन स्कंध के वैज्ञानिक भण्डारण में उपयोग होने वाली सामग्रियों यथा केप कवर 200 GSM, फ्यूमीगेशन कवर 200 GSM, केप टॉप 150 GSM एवं डनेज शीट 120 GSM (IS 14611-2016 अद्यतन संशोधन सहित) के अतिरिक्त भण्डारित स्कंध के कीटोपचार हेतु एल्यूमीनियम फास्फाइड 56% IS 6438-1980 एवं अद्यतन संशोधन IS 6438-2025 , मेलाथियान 50% EC IS 2567-1978 एवं डेल्टामेथ्रिन 2.5% W.P. IS 13457-1992 के साथ-साथ HDPE Virgin Mono Filament Twin Square Mesh Cap Net स्पेशिफिकेशन अनुसार क्रयकरण हेतु मात्र लायसेंस प्राप्त निर्माताओं से ''एक वर्ष'' की वार्षिक दर पर निर्धारित प्रपत्रों में ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है।
निविदा से संबंधित निविदा दस्तावेज/प्रपत्र वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** तथा निगम की वेबसाइट **www.mpwarehousing.mp.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। विभिन्न सामग्रियों के निविदा प्रपत्रों का मूल्य निर्धारित दरों पर (GST अतिरिक्त) ऑनलाइन पोर्टल, इंटरनेट बैंकिंग/NEFT/RTGS के माध्यम से भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं, निविदा संबंधी महत्वपूर्ण दिनांकों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	निविदा जारी दिनांक	16.10.2026	08:00 AM
2.	दस्तावेज डाउनलोड की शुरुआती दिनांक	17.10.2026	12:00 Noon
3.	प्री-बिड मीटिंग की दिनांक **नोट :-** प्री-बिड मीटिंग की लिंक एवं पृथक-पृथक समय की सूचना MPWLC की वेबसाइड **www.mpwarehousing.mp.gov.in** पर जारी की जावेगी। Email for Pre-Bid Queries : pbqmpwlc@gmail.com	22.10.2026	12:00 Noon
4.	बिड प्रस्तुत करने की शुरुआती दिनांक	28.10.2026	11:00 AM
5.	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	10.11.2026	05:00 PM
6.	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	11.11.2026	03:00 PM
7.	फाईनेंशियल बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड परीक्षण उपरांत	

निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** एवं निगम की वेबसाइट **www.mpwarehousing.mp.gov.in** पर ही जारी किये जावेंगे, इसे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। निविदा प्रपत्र हेतु निर्धारित राशि एवं अमानती राशि में किसी प्रकार की छूट प्रदान नहीं की जावेगी।
Nodal Person Contact Details : ED (Technical) 0755-2600503
म.प्र. माध्यम/128608/2026 **प्रबंध संचालक**

विशेष — यूपी की सियासी जमीन नेता पुत्रों का लांचिंग पैड बनेगा

नेता परिवारों की अगली पीढ़ी दस्तक देने को तैयार

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव दहलीज पर आ गया है. इसके साथ ही नेता परिवारों की अगली पीढ़ी दस्तक देने को तैयार है. चुनावी बिसात जब सजेगी, तब मैदान में ऐसे युवा चेहरे देखेंगे जिन्हें सियासत में कदम रखे ज्यादा वक्त नहीं हुआ है.

इनमें खास बात यह कि यह सभी रसूखदार सियासी परिवार की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते दिखेंगे. अपने अपने इलाकों में यह नए नेता राजनीतिक सामाजिक जनसंपर्क में जुट गए हैं और इसकी झलक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर दिख रही है. इसके जरिए जनता को व साथ में टिकट बांटने वालों को मजबूत दावेदारी का संदेश दिया जा रहा है. रक्षा मंत्री व यूपी मे मुख्यमंत्री रह चुके राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह काफी समय से भाजपा में सक्रिय हैं और उन्हें अभी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है. उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला है. पार्टी उन्हें आजमा सकती है. विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी आठ बार के विधायक हैं. उनके बेटे करन महाना की पार्टी में सक्रियता व जनसंपर्क अभियान से उनकी टिकट चाहत का संकेत मिलता है. रीता बहुगुणा जोशी अपने बेटे मयंक जोशी को टिकट दिलाना चाहती है. मयंक जोशी को सपा भी टिकट दे सकती है. पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य कांग्रेस के साथ आ चुके हैं. संभव है कि उनके बेटे को कांग्रेस से टिकट मिल जाए. अमेठी में संजय सिंह अपनी वकील बेटी को विधानसभा चुनाव के जरिए राजनीति में उतारने की कोशिश में हैं.

सांसद व विधायकों के परिजन हुए सक्रिय- अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं. हालांकि वह अपने पिता के इस्तीफे से खाली सीट पर हुआ उपचुनाव हार चुके हैं. सांसद लाल जी वर्मा अपनी डॉक्टर बेटी छाया को चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रहे हैं. जौनपुर की केराकत सीट से विधायक तुफानी सरोज की बेटी व सांसद प्रिया सरोज ने हाल में संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया.

> **राजनीतिक उत्तराधिकार का दावा**
> उत्तर प्रदेश विधानसभा में सबसे उम्रदराज सदस्य आलम बदी का इसी साल जुलाई में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया. उनकी सीट निजामाबाद से उनके बेटे मुस्तजाब आलम की दावेदारी पर सपा को निर्णय लेना है. सपा सरकार में मंत्री रहे राम गोविंद चौधरी की भी हाल में मृत्यु हो गई. उनके बेटे रणजीत चौधरी को पिता की बांसडीह सीट से चुनाव लड़ने का मौका मिलने की प्रबल संभावना है.